भजन

तर्ज- तुझे क्या सुनाऊं मैं दिलरुबा

दर्दे दिल है आपके सामने, और सामने सब हाल है
जब राजदां ही आप हैं, छुप न सके जो हवाल है

1- क्या नजर करें हम आपको,हम तो किसी काबिल नहीं
दामन में भर दी न्यामतें, मेहरबानगी का कमाल है

2- क्या बतायें दिल की हसरतें, क्या बतायें दिल की ख्वाहिशें
उस दिल की कुछ न बता सके, जिस दिल में नूरे जमाल हैं

3- नूरे मुकाम जो आपका, वो ठिकाना सुन्दरसाथ का
राहें इश्क से गुजरे बिना, वो मुकाम पाना मुहाल है

4- रहमत से जो भी बख्श दी, दौलत वो हमको अजीज है
क्या कम है ये ए मेरे धनी, तुमको हमारा ख्याल है

5- पहुँचे अर्ज कैसे आपको, नासूत के अल्फाज हैं
खुद आप जान ही लीजिये, क्या रूह के जज्बात हैं